राजभवन देहरादून में 'स्पिक मैके' द्वारा प्रदर्शित मणिपुरी नृत्य उत्सव में माननीय राज्यपाल महोदय का संबोधन

(14 सितम्बर 2022)

जय हिन्द!

मुझे अत्यन्त प्रसन्नता है कि आज राजभवन में इस शास्त्रीय नृत्य समारोह का आयोजन किया जा रहा है।

यह आयोजन ऐसे समय पर हो रहा है जब राज्यपाल के रूप में कल 15 सितम्बर को मेरा एक साल का कार्यकाल पूरा हो रहा है।

यह एक सुखद संयोग है कि 'श्री वाहे गुरूजी दी कृपा' से राजभवन में गुरूग्रन्थ साहिब का पाठ भी चल रहा है और आज ही भारत की इस अनोखी शास्त्रीय कला का भी प्रदर्शन हो रहा है।

इस आयोजन के लिए 'स्पिक मैके' के श्री अभिषेक अग्रवाल जी, रूपी महिंद्रा जी, विद्या वासन जी, मंजू जी और उनकी पूरी टीम को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूँ।

सोसाइटी फॉर द प्रमोशन ऑफ इंडियन क्लासिकल म्यूजिक एंड कल्चर अमंग यूथ' अर्थात् **'स्पिक मैके'** युवाओं के मध्य भारतीय शास्त्रीय संगीत और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण कार्य कर रही है।

'स्पिक मैके' ने 45 वर्षों के सफर में हजारों छात्रों को भारतीय शास्त्रीय संगीत, नृत्य, लोक कला, शिल्प और लोक रंगमंच के साथ जोड़ा है।

प्रतिवर्ष तीस लाख से अधिक लोगों तक शास्त्रीय धरोहर की रक्षा का यह काम पहुंच रहा है।

मैं 'स्पिक मैके' के उन हजारों स्वयंसेवकों को बधाई देता हूँ जो निस्वार्थ भाव से देश की इस सांस्कृतिक विरासत को बचाने के लिए कार्य कर रहे हैं।

आज का मणिपुरी नृत्य सचमुच ही एक उत्कृष्ट स्तर का था। मंजू जी की नृत्य कला अनोखी है। उनके नृत्य में एक पूर्णता के दर्शन होते हैं। एक कलाकार की साधना दिखाई देती हैं।
मैं आपको और आपकी पूरी टीम को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ, आपके द्वारा भारतीय शास्त्रीय संगीत और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए जो कार्य किये जा रहे हैं वे सराहनीय है।

भारतीय शास्त्रीय धरोहर में, संगीत, नृत्य, नाट्य, वास्तु, स्थापत्य और हर एक शास्त्रीय कला में एक समृद्ध विरासत देखने को मिलती है।

ये हमारे पूर्वजों की सोच को बतलाते हैं, उनके महान विचारों का ज्ञान कराते हैं। अनके दृढ़ परिश्रम और लगन की अनोखी मिसाल के बारे में बताते हैं।
भारतीय शास्त्रीय धरोहरों में ऐसे अनगिनत कलाएं हैं जिनमें रहस्य, रोमांच, दिव्य आनंद और जीवन की गहन विद्याएं छिपी हुई हैं।
'स्पिक मैके' ने शास्त्रीय नृत्य और संगीत की इन विधाओं को लोगों के सामने लाने की बड़ी जिम्मेवारी अपने हाथों मे ले रखी है।
तकनीकि, इनोवेशन, उद्यमिता और अन्य कौशलों के साथ – साथ हमें इन प्राचीन कलाओं को भी अपने जीवन का हिस्सा बनाना होगा।

ये विधाएं जीवन की खुशहाली के लिए एक वरदान हैं। आज समय की आवश्यकता है कि हमें कलाओं के माध्यम से जीवन को गुणवत्तापूर्ण और समृद्ध बनाना है।

भारत की कलाओं के साथ युवाओं को प्रेरित करने के लिए ऐसे प्रयास जारी रखने होंगे।

भारत की कलाएं और उनका सौंदर्य, उनका ज्ञान अलौकिक है। ये कलाएं हमें हमारी अन्तरात्मा की गहराई तक एक बेहतर इंसान बनने के लिए प्रेरित करती हैं।

भारत की इन महान कलाओं में मूल्य–आधारित शिक्षा, सौंदर्य शास्त्र और आध्यात्मिकता का गहरा समावेश है।

वह सब कुछ जो सुंदर, उदात्त और हितकर है, संवेदनशील, दयालु और सौम्य है वह हमारी संस्कृति का अनूठा वरदान है।

SPIC MACAY ने आज के युवाओं के सामने भारतीय शास्त्रीय कला रूपों को व्यापक रूप से प्रस्तुत करने के लिए सरल और सुबोध बनाया है।
मैं राजभवन की ओर से आप सबके इस प्रयास की प्रसंशा करता हूँ। हम उत्तराखण्ड में इन शास्त्रीय विधाओं को बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। आने वाले समय में आपको इन शास्त्रीय विधाओं के संरक्षण के लिए और अधिक प्रयत्न देखने को मिलेंगे।

इस आयोजन में शामिल होने के लिए मैं आप सभी को शुभकामनाएं देता हूँ और 'स्पिक मैके' के सभी आयोजकों को स्वयंसेवकों को भी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूँ।

जय हिन्द!